6
प्रभाववाद

'प्रभाववाद' कला विषयक एक ऐसा आन्दोलन था जिसने प्रतिदिन के जीवन की सादगी और सरलता से प्रेरणा ली। 1874 में इस कला समूह की पहली प्रदर्शिनी के अवसर पर किसी आलोचक ने इस कला को **'प्रभाववाद'** का नाम दिया। प्रभाववाद के कलाकारों ने एक शैली अथवा आन्दोलन को अपनाया जिसमें वस्तुओं पर प्रकाश के प्रभाव का संबंध होता है। ये कलाकार अपने कार्यस्थल (स्टूडियो) से बाहर आए तथा उन्होंने खुले उन्मुक्त वातावरण में चित्रकारी प्रारंभ की। उनका प्रयास था कि शीघ्रता से वे उस प्रभाव का स जन करें जो कुछ उन्होंने द श्य संसार में देखा और महसूस किया। ये कलाकार प्राकृतिक द श्यों को जिसमें प्रकाश तथा रंगों का प्रभाव प्रायः बदलता रहता है, अपनी कल्पना शक्ति से स्वतन्त्रतापूर्वक तथा नैसर्गिक रूप से अपनी कला में समेट लेना चाहते थे। प्रभाववादी कला का आगमन वर्तमान कला तथा प्राचीन कला के बीच एक बड़े विच्छेद के रूप में हुआ। अधिकांश आन्दोलनों की भांति प्रभाववाद पारम्परिक तथा शास्त्रीय मानदण्डों के विरुद्ध एक विद्रोह था। प्रायः ऐसा जनसहयोग के आधार पर होता है। इस युग के कलाकार नदियाँ, तालाब, बन्दरगाह, नगरीय द श्य तथा मानवी स्वरूपों के प्रति बहुत आकर्षित थे। इस आंदोलन के प्रणेता कलाकारों में **क्लॉड मॉने** (Claude Monet), **इदुआर्दो मॉने** (Eduardo Manet), **ऑगस्ट रेनोया** (Auguste Renoir) और **एडगर देगा** (Edgar Degas) थे।

प्रभाववाद के बाद के कलाकारों में उस समय की कला में प्रभाववाद का विस्तार एवं उनकी कमियों का निषेध था। यह बात अलग है कि इस युग में कलाकार ने विविध रंगों के प्रयोगार्थ ब्रश का प्रयोग जारी रखा। इस युग में वास्तविक जीवन से सम्बद्ध विषयों को प्राथमिकता मिली तथापि कलाकारों ने ज्यामितीय आकारों अथवा विकृत आकारों के माध्यम से अपने आन्तरिक भावों को अभिव्यक्ति दी। **जॉर्ज सूरा** (Georges Seurat) तथा उसके अनुयायियों ने बिन्दु चित्रण के प्रति अपना आकर्षण दिखलाया अर्थात छोटे–छोटे रंगों के बिन्दुओं के व्यवस्थित रूप से प्रयोग किए। **पॉल सेजान** (Paul cezanne) ने चित्रकारी में परिमाण तथा आकार की अनुभूति की ओर रूझान दिखलाया। जबकि **गगैं** (Gauguin) तथा **विन्सेंट वॉन गग** (Vincent Van Gogh) ने रंगों तथा ब्रश के कंपन तथा घुमाने से अपनी भावनाओं तथा मानसिकता को सशक्त अभिव्यक्ति दी।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद, आपः

- कला के इन आन्दोलनों के मुख्य लक्षण को पहचान सकेंगे;

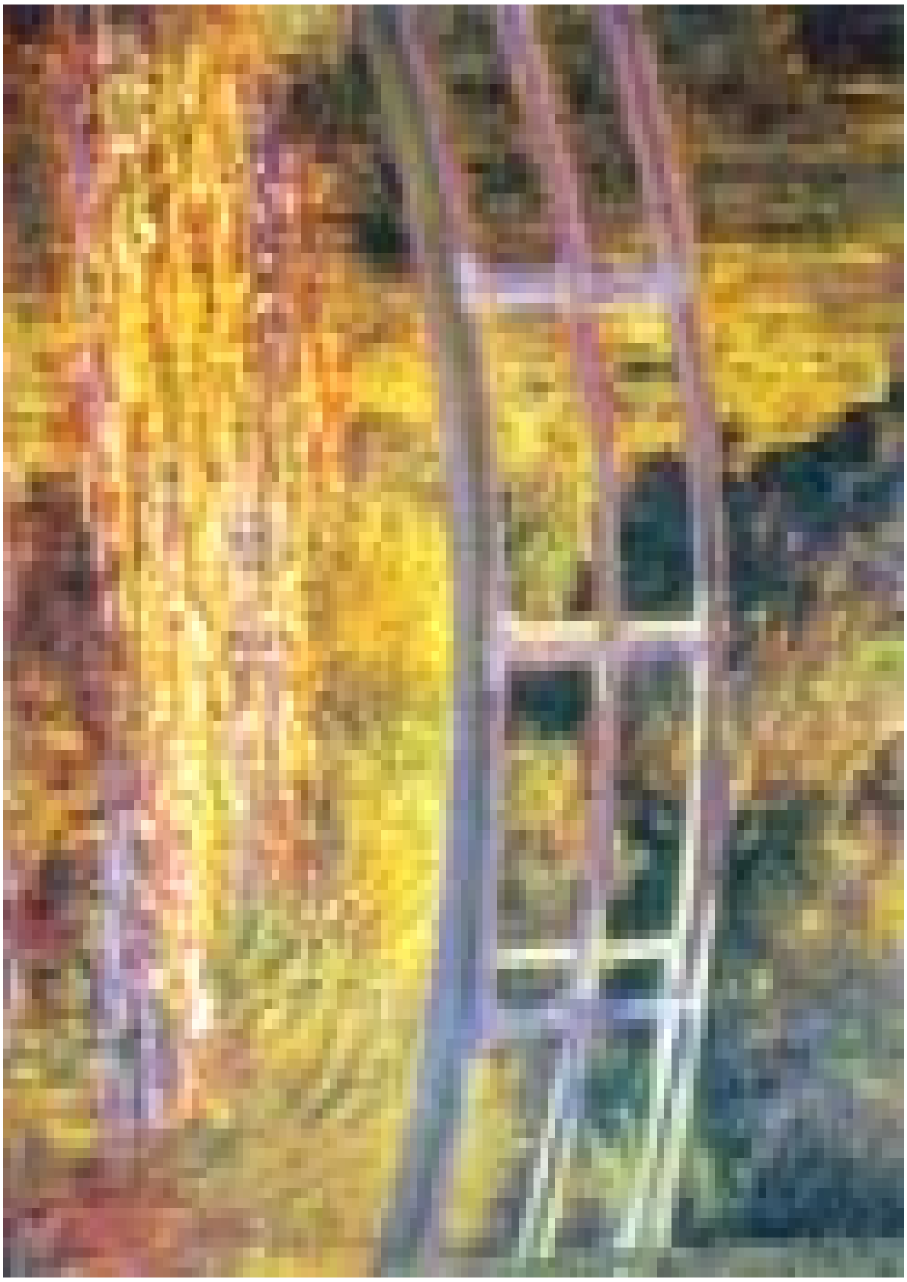
वाटर लिलिज

- प्रभाववादी युग में विभिन्न चित्रकारों की कला की पहुंच के प्रयोग के अन्तर को समझ सकेंगे;
- सूचीकृत कलाकारों की शैली का वर्णन कर सकेंगे;
- प्रभाववाद के जन्म का वर्णन कर सकेंगे; और
- इन विभिन्न कला आन्दोलनों के प्रणेता कलाकारों के बारे में बता सकेंगे।

6.1 वाटर लिलिज़ WATER LILIES

शीर्षक	:	वाटर लिलिज़ (Water Lilies)
कलाकार	:	क्लॉड मॉने (Claude Monet)
माध्यम	:	तैलीय रंग
समय	:	1899
शैली	:	प्रभाववाद
संकलन	:	नेशनल गैलरी, लन्दन

सामान्य विवरण

सभी प्रभाववादी कलाकारों में **क्लॉड मॉने** (Claude Monet) सबसे अधिक प्रतिबद्ध तथा सहज एवं स्वाभाविक कलाकार था जिसने प्रकृति के बदलते मिज़ाज को अपनी कलाकृतियों में उतारा है। उसका जन्म 14 नवम्बर 1840 को पेरिस में हुआ। प्रकृति के विभिन्न प्रभावों से परिचय के लिए और फिर अपनी कला में उतारने के लिए बिना थके वह लगभग सारे जीवन यात्रा ही करता रहा। उसे आकर्षक एवं मुग्धकारी फूलों के प्राकृतिक द श्यों के चित्रण के लिए बड़ी श्रद्धा से याद किया जाता है। इन चित्रों में भूचित्र, नावों के साथ नदियाँ, समुद्रिक द श्य तथा पहाड़ी (पत्थरीला) किनारे दर्शनीय हैं। उसने **पानी के बाग** (Water gardens) के अनगिनत चित्र बनाए जिससे उसकी महान पहचान हुई। **वाटर लिलिज़** (Water Lilies) चित्रों की श ंखला है जो 1899-1900 में बनी तथा जिसमें तालाब के उस पार जापानी पुल का चित्रण है। बाद में उसकी कलाकृतियों में जापानी पुल एक प्रमुख विषय बन गया। उसके लगभग सभी चित्रों में आसमान लगभग नदारद है लेकिन उसने आसमान को चमकीले रंगों में प्रभावी रूप से असाधारण गहराई के साथ प्रतिबिंबित किया है। खिलते हुए विभिन्न आकार के लिली फूलों से चित्र के सौदंर्य में व द्धि हो जाती है।

पाठगत प्रश्न 6.1

1. मॉने (Monet) की शैली को क्या कहा जाता है?
2. वॉटर लिलिज़ (Water Lilies) को किसने बनाया है?
3. मॉने (Monet) की तकनीक की शैली क्या है?
4. मॉने (Monet) अपने चित्रों में क्या दर्शाना चाहते थे?
5. मॉने (Monet) के चित्रों में आसमान की क्या भूमिका है?

मौलिन दे लॉ गैलेत

6.2 मौलीन दे लॉ गैलेत MOULIN DE LA GALETTE

शीर्षक	:	मौलीन दे लॉ गैलेत (Moulin De La Galette)
कलाकार	:	ऑगस्ट रेनोया (August Renoir)
माध्यम	:	कैन्वास पर तैलीय रंग
समय	:	1876
शैली	:	प्रभाववादी
संकलन	:	पेरिस स्थित मसी डे इंप्रेसनिस्मे

सामान्य विवरण

ऑगस्ट रेनोया (Auguste Renoir) (1841-1919) एक फ्रांसीसी कलाकार था। 1876 में उसने **मौलीन दे लॉ गैलेत** (Moulin de la Galette) का चित्रण किया। उस चित्र में युवा लोगों को जिन्दगी का आनन्द लेते हुए दिखलाया गया है। वे लोग पिकनिक मना रहे हैं, न त्य कर रहे हैं तथा पार्टी (प्रीतिभोज) कर रहे हैं। रेनोया (Renoir) की कृतियों में कोमलता, भावात्मकता तथा लुभावनी छवि का चित्रण है। उसने अपनी कृति की संरचना करते समय फारसी समाज की गतिविधियों, वातावरण तथा समाज के प्रतिबिम्ब का सुस्पष्ट चित्र प्रस्तुत किया है। उसने बैंगनी, सफ़ेद तथा नीले रंगों की छाया का ऐसा सामन्जस्य प्रस्तुत किया है जिससे मॉडल की आकृतियां प्रचलित वस्त्रों में सजी लगती हैं। उनके चित्रों में रंगों की ताजगी तथा प्रसन्नता से जीवन की झिलमिलाहट का अहसास होता है। उनके कला–चित्रों में कोमलता, समन्वय तथा संतुलन का सामंजस्य होता है। रेनोया (Renoir) अपने चित्रों में सामूहिक रूपचित्र तथा महिलाओं के मॉडल के गहन अध्ययन दिखलाना चाहता है। वह चित्रों के माध्यम से जीवन के आनन्द के अनभुव की अभिव्यक्ति के संप्रेषण में सिद्धहस्त था।

पाठगत प्रश्न 6.1

1. मौलीन दे लॉ गैलेत (Moulen de la Galette) के चित्रकार का नाम बताइए।
2. मौलीन दे लॉ गैलेत (Moulin de la galette) चित्रकला की शैली क्या है?
3. अपने चित्रों के लिए विषय वस्तु के चयन के पीछे उसकी प्राथमिकता क्या थी?
4. सुखद संयोजन के अलावा उसकी कला में और क्या आकर्षण है?

6.3 डांस क्लास (DANCE CLASS)

शीर्षक	:	डांस क्लास
कलाकार	:	ऐडगर डेगा (Edgar Degas)
माध्यम	:	कैन्वास पर तैलीय रंग
समय	:	1873-1876
शैली	:	प्रभाववाद
संकलन	:	म्यूजियम ऑफ आर्ट, टोलेडो, ओहियो (यू.एस.ए.)

डांस क्लास

सामान्य विवरण

पेरिस में जन्मे फ्रान्सीसी कलाकार **ऐडगर डेगा** (Edgar Degas) ने **न त्य कक्षा** (Dance Class) नामक चित्र को 1834 में बनाया था। अन्य प्रभाववादी कलाकारों के विपरीत ऐडगर डेगा (Edgar Degas) ने प्रकृति से अपनी कृतियों के लिए प्रेरणा नहीं ली। उसकी मुख्य रुचि मानवीय उपस्थिति में थी। उसकी मुख्य उपलब्धियों में उसके वे चित्र हैं जिनमें बैले (न त्य नाटकों) की न त्यांगनाएं झालरदार घाघरे (स्कर्ट) में न त्य करने के लिए तैयारी करती दिखाई देती हैं या घूमने वाले स्टेज के चारों ओर घूमती दिखाई देती हैं। मुख्य केन्द्र के बिना उससे हटकर ऐडगर डेगा (Edgar Degas) की कृतियों में बड़ी सहजता की छाप दिखाई देती है। उसका यह प्रयास जिन्दगी का पूरा द श्य प्रस्तुत करता है। कुछ चित्रों में उसने सूर्य प्रकाश के बदले रंगमंच के अप्राकृतिक प्रकाश का प्रयोग किया है।

उसका अत्यन्त प्रिय माध्यम पेस्टल रंग थे। कई बार उसने एक ही चित्र में विभिन्न माध्यम प्रयुक्त किए। कहीं–कहीं वह पेस्टल रंगों की एक परत और चढ़ा देता था जिससे विभिन्न परतों के बीच की पारदर्शिता स्पष्ट रूप से देखी जा सके। डेगा (Degas) ने चित्रकला के अतिरिक्त मूर्तिकला को अपनी लयमयी गति की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया जिससे न त्यांगनाओं की लयात्मक गति को दिखाया जा सके।

पाठगत प्रश्न 6.3

1. डेगा (Degas) दूसरे प्रभाववादी कलाकारों की अपेक्षा भिन्न क्यों है?
2. डेगा (Degas) ने किस माध्यम को अपने चित्रकलाओं में प्राथमिकता दी?
3. डेगा (Degas) ने मूर्ति क्यों बनाई?
4. डेगा (Degas) ने डांस क्लास (Dance Class) को कब चित्रित किया?

6.4 स्टिल लाइफ विद ओनियन्स (Still Life with Onions)

शीर्षक	:	स्टिल लाइफ विद ओनियन्स
कलाकार	:	पॉल सेज़ां (Paul Cezanne)
माध्यम	:	कैन्वास पर तैलीय रंग
समय	:	1895–1900
शैली	:	उत्तर प्रभाववादी
संकलन	:	मसी–द ऑर्से, पेरिस

सामान्य विवरण

पॉल सेजां (Paul Cezanne) (1839-1906) उत्तर प्रभाववादी युग का कलाकार था जिसने अपनी अभिव्यक्ति के लिए नए साधनों की खोज की थी। उसके चित्रों में प्राकृतिक आकारों की सरलता एवं सहजता दिखाई देती है। उसके अनुसार प्रकृति में प्रत्येक वस्तु को ज्यामितीय आकार के ठोस आकार जैसे शंकु, सिलिण्डर तथा घन के रूप में बदले जा सकते हैं। वह सभी पहचाने जाने वाले (परिचित) एवं वास्तविक आकारों को संरचनात्मक ढांचों में बदल देना चाहता था। उसे अमूर्त (निराकार) चित्र कला को प्रारम्भ करने वाले कलाकार के रूप जाना जाता है। इसी कला से बाद में **घनवाद** का

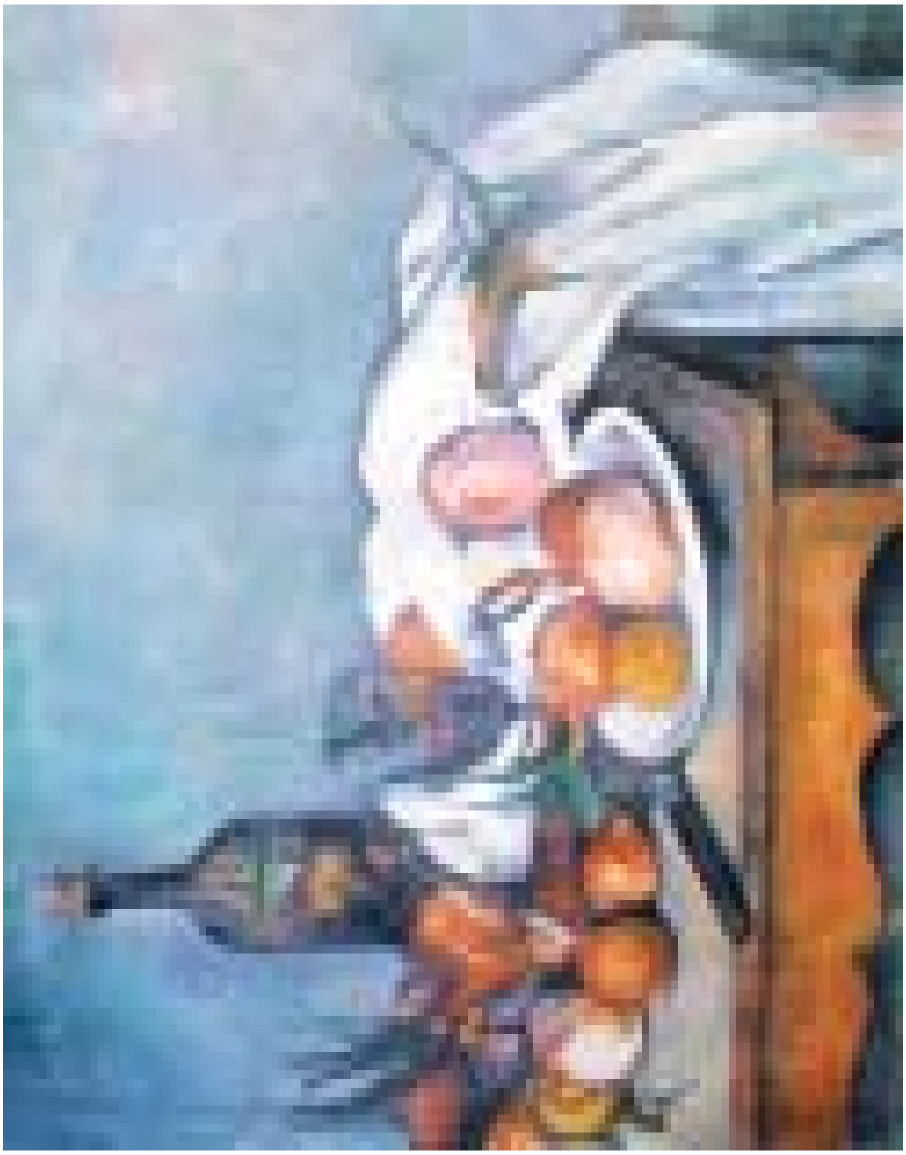

स्टिल लाइफ विद ओनियन्स

प्रारम्भ हुआ। इसलिए उसे **''घनवाद का जनक''** कहा जाता है। चाहे उसके चित्रों में जड़ पदार्थों का चित्रण हो या प्राकृतिक का, रूप चित्र हों या साधारण परिचित लोगों के चित्र हों, हर एक चित्र में उसका चुने हुए विषय में गहन अध्ययन का प्रमाण मिलता है। उसके चित्र **'स्टिल लाइफ विद ओनियन्स'** (Still Life with onions) में एक जैसे रंगों के भिन्न–भिन्न रंग सामंजस्य से किसी वस्तु में प्रकाश और छाया को नए अर्थ देकर विभिन्न स्वरूपों को चित्रित किया है। रंगों के आन्तरिक सम्बधों को दर्शाने के लिए उसने साधारण रंगीन स्पर्श का प्रयोग किया है। उसकी कलाकृतियों में सही, सीधे (ऊर्ध्वीकरण) तथा समतल स्तर पर त्रि–विमीय आकारों का सुंदर विन्यास है। लाल और पीले रंगों से प्रकाश में कंपन पैदा की गई है। इसी प्रकार नीले तथा सफेद रंगों के कपड़ों की पर्याप्त संख्या से हवा तथा अन्तरिक्ष का आभास कराया गया है। सेज़ां को हमेशा वर्तमान कला का जनक माना जाएगा क्योंकि इसकी कला शैली 19वीं शती के अंत की प्रभाववादी कला तथा 20वीं शती के प्रारंभ की आधुनिक कला या घनवाद के बीच एक सेतु का काम करती है।

पाठगत प्रश्न 6.4

1. घनवाद (Cubism) के विकास में सेज़ां (Cezanne) का क्या योगदान है?
2. सेज़ां (Cezanne) की कलाकृति स्टिल लाइफ विद ओनियन्स (Still life with Onions) की कोई दो विशेषताएं बताइए।
3. उसकी चित्रकला की शैली क्या है?
4. सेज़ां (Cezanne) को घनवाद (Cubism) का जनक क्यों कहा जाता है?

6.5 स्टारी नाईट (STARRY NIGHT)

शीर्षक	:	स्टारी नाईट (Starry Night)
कलाकार	:	विनसेंट वेन गग (Vincent Van Gogh)
माध्यम	:	तैलीय रंग
समय	:	1889
शैली	:	उत्तर प्रभाववाद
संकलन	:	नेशनल गैलरी, लंदन

सामान्य विवरण

विनसेंट वेन गग (1853-1890) एक **डच कलाकार** (चित्रकार) था। यद्यपि उसके जीवन में परेशानियां, गरीबी तथा उत्साहहीनता ही अधिक थी, लेकिन वह एक अच्छा तथा समर्पित चित्रकार था। उसके तमाम चित्रों में आकार के वर्णन का नहीं बल्कि रंगों को बहुत महत्व दिया गया है। वह प्रकृति के द श्यों को केवल रंगों के माध्यम से ही चित्रित करता था— न कि प्रकाश एवं छाया के द्वारा। उसके चित्र **स्टारी नाईट** में सारा आकाश सितारों (तारों) से भरा हुआ है। उसके चित्रों में सभी रंगों के समन्वय का अच्छा मिश्रण किया गया है। पेन्टिंग (चित्र) में बलखाते हुए बादल, झिलमिलाते सितारे तथा चमकता हुआ चन्द्रमा चित्रित है। पार्श्व में पहाड़ी के नीचे एक छोटा कस्बा है जिसमें गिरजाघर भी है तथा छोटी–छोटी इमारतें भी हैं। चित्र के बायीं ओर अकेले साइप्रस पेड़ के ऊपरी

स्टारी नाईट

भाग को गहरी काली बनावट में दिखलाया गया है। रात्रि में आसमान के तारे अपने ही प्रकाश के क्षेत्र में घिरे दिखाई देते हैं। दर्शक की द ष्टि आकाश में तारों की इस नक्काशी को देखते हुए घूमती रहती है। उसके चित्र **''स्टारी नाईट''** में नीले तथा सफ़ेद रंगों की गहरी पट्टियों द्वारा ऐसा चित्रण किया गया है कि आकाश गंगा के तारे भंवर में घूमते प्रतीत होते हैं। इस चित्र के अध्ययन करने पर कलाकार के आन्तरिक द्वन्द्व तथा निद्राविहीन रात्रि का आभास होता है। **वेन गग** में सरलता तथा संवेदनशीलता की तीक्ष्णता को अभिव्यक्त करने की द ष्टि थी। **वेन गग** को प्रसिद्ध चित्रकार बनाने में उसकी अन्य कृतियाँ जैसे **सूर्यमुखी फूल,** (Sunflower), **पोटेटो ईटर** (Potato Eater), **व्हीट फील्ड** (Wheat Field) तथा **साइप्रेसेस** (Cypresses) ने बड़ा योगदान दिया है। उसके अपने चित्र तथा निजी सोने के कमरे के चित्र का भी उसकी चित्रकला में बड़ा योगदान है।

पाठगत प्रश्न 6.5

1. वेन गग (Van Gogh) के चित्रों में कौन–सी बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं?
2. वह किस देश का निवासी था?
3. वेन गग की कुछ प्रसिद्ध कलाकृतियों के नाम गिनाइए।
4. **स्टारी नाईट** चित्र क्या बताता है?

आपने क्या सीखा

'प्रभाववाद' कला के ऐसे आन्दोलन की ओर संकेत करता है जो कलाकार की भावना तथा कल्पना की अभिव्यक्ति कर सकने में सक्षम होता है। प्रभाववादी विचारधारा के कलाकारों ने खुले आसमान के नीचे चित्रकारी करनी शुरू कर दी, जिससे उन्होंने जो देखा या महसूस किया उसकी अभिव्यक्ति कर सकें। इस आन्दोलन के मुख्य कलाकारों में **मॉने, माने, रेनोया** तथा **डेगा** गिने जाते हैं। उत्तर प्रभाववादी कला प्रभाववादी धारा की सीमाओं से मुक्ति का आन्दोलन था। कलाकारों ने अपनी आन्तरिक भावनाओं, ज्ञान और समझ की गहराई तथा रंगों के जोशीले प्रयोग को बहुत महत्व दिया। इस आन्दोलन के अग्रणी कलाकारों में **सूरा, गगैं, सेजां** और **वॉन गग** का नाम उल्लेखनीय है।

पाठांत अभ्यास

1. प्रभाववादी कला का आन्दोलन किस विचारधारा का प्रतीक है?
2. मौलीन दे लॉ गैलेत (Moulin de La Galette) नामक चित्र पर एक लघु टिप्पणी लिखिए।

3. स्टारी नाईट (Starry Night) नामक चित्र में वेन गग (Van Gogh) ने क्या अभिव्यक्ति की है?

4. ''वाटर लिलिज़'' नामक चित्र का वर्णन कीजिए।

5. कुछ शब्दों में स्टारी नाईट नामक चित्र का वर्णन कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

6.1 1. प्रभाववाद

2. मॉने (Monet)

3. प्रकृति में होने वाले परिवर्तन

4. पानी के बाग और जापानी पुल

5. लगभग अविद्यमान

6.2 1. रेनोया (Renoir)

2. प्रभाववाद

3. सामूहिक संरचना, रूपचित्र तथा महिला मॉडल

4. कोमलता, समन्वय एवं सन्तुलन

6.3 1. अन्य प्रभाववादी कलाकारों की भांति उसकी रुचि प्रकृति में नहीं वरन् मानवीय आकारों में थी।

2. पेस्टल (Pastel)

3. लयात्मक गति की अभिव्यक्ति हेतु

4. 1873-1876

6.4 1. प्रकृति के रूप को सरलतापूर्वक शंकु, बेलनाकार तथा घन (cube) जैसी ठोस ज्यामितीय आकृतियों के रूप में प्रस्तुति

2. सरल रंगों के प्रहार (strokes) समतल एवं ऊर्ध्वाधर (सीधा खड़ा हुआ) संरचना में आकाश तथा त्रि–विमीय आकार का चित्रण

3. उत्तर प्रभाववाद

4. उसकी शैली उत्तर 19वीं शती तथा प्रारम्भिक 20वीं शती के बीच सेतु का काम करती है।

6.5 1. रंग

2. हॉलैण्ड

3. सन फ्लावर, पोटेटो ईटर

   व्हीट फील्ड, साइप्रेसेस

4. कलाकार का आन्तरिक द्वंद्व तथा निद्राविहीन रात्रि।